RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : गुरुवार 05 अक्टूबर 2023 | वर्ष 05 | अंक 162 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक

रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

शरद पवार की सहमति से 2019 में महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था : फडणवीस

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार की सहमति से 2019 में प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। हालांकि, राकांपा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता के बयान को खारिज करते हुये इसे 'आधारहीन' करार दिया। उपमुख्यमंत्री यहां "इंडिया टुडे कॉन्क्लेव" में राकांपा के साथ अल्पकालिक सरकार बनाने के उनके प्रयास के समय को लेकर किए गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

महाराष्ट्र में 2019 के चुनावों के बाद एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने 23 नवंबर 2019 को फडणवीस को मुख्यमंत्री और अजित पवार को उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई थी। हालांकि, वह सरकार लगभग 72 घंटे बाद गिर गई। फडणवीस ने बुधवार को कहा, ''प्रदेश में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद, हम शरद पवार के साथ सरकार गठन पर चर्चा कर रहे थे। हमने विभागों के बंटवारे और प्रभारी मंत्रियों की जिम्मेदारियों को भी अंतिम रूप दे दिया था। लेकिन पवार ने (अपना) रुख बदल लिया और पीछे हट गए।''

महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 2019 में हुए चुनाव में भाजपा ने 288 में से 105 सीटें जीतीं थी, और भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल शिवसेना को 56 सीटों पर जीत मिली। हालांकि, मुख्यमंत्री पद को लेकर हुए विवाद के बाद शिवसेना गठबंधन से अलग हो गया। इसके उपरांत प्रदेश में उपजे राजनीतिक गतिरोध के चलते राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''राज्यपाल को हर राजनीतिक दल से पूछना था कि क्या वह सरकार बनाने का दावा करना चाहेगा। राकांपा ने ऐसा करने से इनकार कर दिया और उसका पत्र (इस आशय का) मुंबई में मेरे आवास पर टाइप किया गया था। पवार ने कुछ सुधारों का सुझाव दिया, जो किए गए, और फिर उसे (पत्र) प्रस्तुत किया गया।'' उन्होंने यह दावा किया कि राष्ट्रपति शासन लगाने का निर्णय लेने से पहले पवार की सहमति ली गई थी।

भाजपा नेता ने कहा, ''पवार ने हमें बताया कि वह भाजपा के साथ गठबंधन का निर्णय अल्प अवधि में नहीं ले सकते। पवार ने कहा कि वह पहले राज्य का दौरा करेंगे और लोगों को समझाने के बाद भाजपा के साथ सरकार बनाने के अपने फैसले की घोषणा करेंगे। पवार ने कहा कि उन्हें इसके लिए एक महीने की आवश्यकता होगी।''

उप मुख्यमंत्री अजित पवार पुणे के नये गार्जियन मिनिस्टर नियुक्त किये गये

मुंबई : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को राज्य के 12 जिलों के लिए गार्जियन मिनिस्टरों

की नियुक्ति की। उपमुख्यमंत्री अजित पवार को उनके गृह जिले पुणे की जिम्मेदारी दी गई है। ऐसा कहा जा रहा है कि नाराज चल रहे अजित पवार की इस मामले में जीत हुई है और पार्टी सूत्रों के मुताबिक उनके सात मंत्रियों को भी नए गार्जियन मिनिस्टर की जिम्मेदारी दी गई है।

अजित पवार की नियुक्ति के साथ, पुणे के वर्तमान गार्जियन मिनिस्टर भारतीय जनता पार्टी के चंद्रकांत पाटिल को सोलापुर और अमरावती जिलों का प्रभार दिया गया है। अन्य भाजपा नेता और उनके संबंधित गार्जियन मिनिस्टर जिले इस प्रकार हैं: राधाकृष्ण विखे-पाटिल (अकोला), डॉ. विजयकुमार गावित (भंडारा), और सुधीर मुंगंतीवार (वर्धा)।

अजित पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी गुट से विभिन्न जिलों के लिए गार्जियन मिनिस्टर के रूप में नई नियुक्तियाँ हैं: दिलीप वाल्से-पाटिल (बुलढाणा), हसन मुश्रीफ (कोल्हापुर), धर्मराव बाबा अत्राम (गोंदिया), धनंजय मुंडे (बीड), अनिल पाटिल (नंदुरबार) और संजय बनसोडे (परभणी)।

गार्जियन मिनिस्टरों का मुद्दा कुछ समय से लटका हुआ था, जिससे तीन सत्तारूढ़ सहयोगियों, शिवसेना-भाजपा-राकांपा (एपी) के बीच मनमुटाव था। लेकिन अब यह सुलझता दिख रहा है।

सोशल मीडिया पर दोस्ती फिर रेप, वीडियो वायरल की धमकी देने वाले पर FIR दर्ज

मुंबई : देश की आर्थिक राजधानी मुंबई सांताक्रूज स्थित वकोला पुलिस ने एक 24 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने और उससे जबरन वसूली करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान महाराष्ट्र के संभाजी नगर के समीर सलीम शेख के रूप में की है, हालांकि अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक एक निजी कंपनी में काम करने वाली पीड़िता कुछ दिन पहले ओला पार्टी ऐप पर समीर से मिली थी और उनके बीच दोस्ती हो गई, एक वीडियो कॉल के दौरान, समीर ने उसे एक बैठक के लिए संभाजी नगर में आमंत्रित किया। पीड़िता का आरोप है कि उसने पहले इनकार कर दिया, फिर उसने अपनी गर्दन पर चाकू रखकर उसे धमकाया। जिसके बाद वह मान गई।

'दवा और स्टाफ की कमी बर्दाश्त नहीं' : नांदेड़ अस्पताल में मौतों पर HC सख्त, गुरुवार को सुनवाई

मुंबई: बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र के दो अस्पतालों की भयावह स्थिति का स्वतः संज्ञान लिया है. इसमें नांदेड़ का वो अस्पताल भी शामिल है, जहां 72 घंटों में 16 बच्चों सहित 31 लोगों की मौत हो गई थी. मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति आरिफ डॉक्टर की खंडपीठ ने राज्य सरकार को स्वास्थ्य के लिए बजटीय आवंटन का ब्योरा पेश करने का निर्देश दिया है. बॉम्बे हाईकोर्ट ने नांदेड़ मामले में सुमोटो याचिका पर सुनवाई करते हुए नांदेड़ के सरकारी अस्पताल में हो रही मौत को गंभीरता से लिया है. कल इस तत्काल सुनवाई होगी.

हाईकोर्ट ने राज्य के महाधिवक्ता वीरेंद्र सराफ को राज्य सरकार की भूमिका स्पष्ट करने का निर्देश दिया है. इस मौके पर चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि अगर मैन पावर की कमी और दवाओं की कमी से मौतें होंगी, तो इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. इससे पहले दिन में अधिवक्ता मोहित खन्ना ने पीठ को दी अर्जी में अनुरोध किया था कि वो सरकारी अस्पतालों में हुई मौतों पर

स्वतः संज्ञान ले. पीठ ने शुरूआत में खन्ना को निर्देश दिया कि वो याचिका दायर करे. अदालत ने कहा कि वह प्रभावी आदेश जारी करना चाहती है.

अदालत ने इसके साथ ही अधिवक्ता से कहा कि वह अस्पतालों में रिक्तियों, दवाओं की उपलब्धता, सरकार द्वारा खर्च की जाने वाली राशि आदि की जानकारी एकत्र करें. हालांकि, दोपहर में अदालत ने कहा कि वह मामले पर स्वतः संज्ञान ले रही है और रेखांकित किया कि अस्पतालों के चिकित्सकों ने बिस्तर, कर्मियों और दवाओं की कमी को कारण बताया है जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता. खन्ना ने अपनी अर्जी में कहा कि 30 सितंबर से अगले 48 घंटे में नांदेड़ के डॉ.शंकर राव चव्हाण शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में नवजातों सहित कुल 31 लोगों की मौत हुई थी .

अर्जी में कहा गया कि छत्रपति संभाजीनगर के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में दो से तीन अक्टूबर के बीच नवजातों सहित 18 मरीजों की मौत दर्ज की गई थी. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को कहा था कि उनकी सरकार ने नांदेड़ के अस्पताल में हुई मौतों को बहुत ही गंभीरता से लिया है और विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने अस्पताल में दवा एवं कर्मियों की कमी से भी इनकार किया है.

महाराष्ट्र के भिवंडी में महिला का उसके घर से किया अपहरण

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी शहर में एक 30 वर्षीय का अपहरण कर लिया गया। यह घटना मंगलवार को हुई है। पुलिस महिला का पता लगाने की कोशिश कर रही है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने पीड़िता के रिश्तेदारों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के हवाले से कहा कि प्रथम दृष्टया, चार महिलाओं सहित सात लोग शाम करीब पांच बजे भिवंडी-कल्याण रोड पर स्थित महिला के घर में घुस गए और उसे कार में बिठाकर तेजी से ले गए। अधिकारी ने बताया कि बाद में पीड़िता के बेटे को फोन आया और उसकी रिहाई के लिए तीन लाख रुपये की फिरौती मांगी गई।

पुलिस ने किया मामला दर्ज

पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि पुलिस को संदेह है कि यह अपराध वित्तीय विवाद का नतीजा था और आगे की जांच जारी है। भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत शांति नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

www.rokthoklekaninews.com | facebook@rokthoklekhani | youtube@rokthoklekhani | twitter@rokthoklekhani

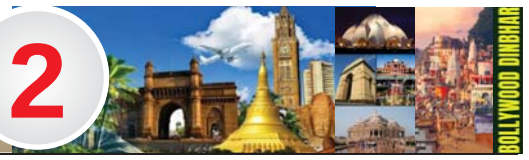

संपादकीय / लेख

मुद्रास्फीति के जोखिम

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति इस समय नीति की समीक्षा कर रही है और शुक्रवार को अपने निर्णय की घोषणा करेगी। संभव है कि उसे पता चला होगा कि मुद्रास्फीति के कुछ कारकों में परिवर्तन आ रहा है। सब्जियों की कीमतें, खासकर टमाटर की कीमतों में गिरावट आई है जबकि अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफा हुआ है। इस बीच कच्चे तेल की कीमतों में पिछली नीतिगत बैठक के बाद से अब तक काफी तेजी देखने को मिली है और अनुमान है कि आने वाले समय में भी वे ऊंचे स्तर पर बनी रहेंगी। हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा शायद मुद्रास्फीति की दर में तत्काल इजाफे की वजह न बने क्योंकि तेल विपणन कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हो रहे बदलाव के मुताबिक समायोजन करना बंद कर दिया है लेकिन कुछ असर तो फिर भी महसूस होगा। उदाहरण के लिए वाणिज्यिक घरेलू गैस सिलिंडर की कीमतों में रविवार को इजाफा किया गया। हालांकि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर अगस्त में कुछ कम होकर 6.83 फीसदी रही जबकि जुलाई में यह 7.44 फीसदी के साथ 15 महीने के उच्चतम स्तर पर थी। इस कमी के बावजूद यह दर रिजर्व बैंक द्वारा तय दायरे की ऊपरी सीमा से काफी अधिक है।

अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि मौद्रिक नीति समिति नीतिगत रीपो दर में कोई बदलाव नहीं करेगी। मौजूदा चक्र में इस नीतिगत दर में अब तक 2.5 फीसदी का इजाफा किया गया है और वह अभी व्यवस्था में अपना काम कर रही है और निकट भविष्य में मुद्रास्फीति की दर में उल्लेखनीय कमी आती नहीं दिखती। उच्च खाद्य मुद्रास्फीति अब तक सामान्यीकृत नहीं हुई है और जोखिम बरकरार है। अगस्त माह में खाद्य मुद्रास्फीति दो अंकों के करीब थी और मॉनसून के कमजोर होने के कारण जोखिम बढ़ गया है। कमजोर मॉनसून न केवल खरीफ के फसल उत्पादन को प्रभावित कर सकता है बल्कि रबी की फसल को भी प्रभावित कर सकता है क्योंकि देश के कई इलाकों में पानी की कमी हो जाएगी। हालांकि कोर मुद्रास्फीति में कमी आई है लेकिन हेडलाइन दरों के कारण नीतिगत चयन मुश्किल हो सकता है।

मुद्रास्फीति संबंधी परिदृश्य और पूवार्नुमान को मद्देनजर रखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि मौद्रिक नीति समिति चालू वित्त वर्ष के लिए 5.4 फीसदी के अपने मुद्रास्फीति संबंधी पूवार्नुमान को संशोधित करती है या नहीं। उदाहरण के लिए विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के अपने पूवार्नुमान को 5.2 फीसदी से बढ़ाकर 5.9 फीसदी कर दिया। यह दर रिजर्व बैंक द्वारा तय दायरे की ऊपरी सीमा के निकट है। चार फीसदी के घोषित लक्ष्य से तो यह बहुत अधिक है। मौद्रिक नीति समिति ने अब तक खाद्य मुद्रास्फीति पर आधारित हेडलाइन दरों में इजाफे को देखने का निर्णय लिया है। बहरहाल, मुद्रास्फीति संबंधी पूवार्नुमान में संशोधन के बाद इजाफा होने की स्थिति में समिति को इस सप्ताह नहीं तो आने वाली बैठकों में जरूर नीतिगत कदम उठाने होंगे। सैद्धांतिक तौर पर देखा जाए तो सब्जियों की कीमतों के कारण बने दबाव की अनदेखी करनी चाहिए क्योंकि यह दबाव कम समय में ही कम हो जाता है। बहरहाल, आपूर्ति क्षेत्र के जोखिम को देखते हुए अनाज और अन्य उत्पादों का दबाव सामान्य होने की संभावना अधिक हो जाती है। ऐसे में वित्त वर्ष का बाकी समय दरें तय करने वाली समिति के लिए काफी जटिल हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य भी मददगार नहीं है। अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल इस प्रत्याशा में बढ़ रहे हैं कि फेडरल रिजर्व दरों में कम से कम एक और इजाफा कर सकता है। ध्यान देने वाली बात है कि 10 वर्ष के भारतीय और अमेरिकी सरकारी बॉन्ड में अंतर 17 वर्ष के निचले स्तर पर है जो डॉलर में मजबूती के साथ पूंजी प्रवाह पर दबाव बनाएगा। चूंकि अमेरिका में ब्याज दरें और लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं इसलिए रुपये पर दबाव बन सकता है जो मुद्रास्फीति संबंधी नतीजों को प्रभावित कर सकता है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

भिवंडी में 12 घंटे में हुई दो सड़क दुर्घटना जिसमें दो की मौत

40 घंटे में हुए तीन हादसे में तीन की मौत,चार जख्मी,फैली सनसनी...

जनता ने मनपा प्रशासन की लापरवाही को बताया हादसे का जिम्मेदार

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी का चविंद्रा रोड इन दिनों मौत का मार्ग साबित हो रहा है।इस रोड पर 12 घंटे के अंतराल में मात्र आधा किमी की अंतराल में हुए दो भीषण हादसे में दो बाइक सवार लोगों की मौत हो गई।जबकि पिछले 40 घंटे में इस मार्ग पर हुए तीन दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की जान चली गई।जबकि चार लोग घायल हो गए।स्थानीय लोगों ने उक्त दुर्घटना का जिम्मेदार मनपा प्रशासन को बताया है।बढ़ती दुर्घटना जनता में दहशत का कारण बना हुआ है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के कल्याण रोड पर स्थित सुभाष नगर में रहने वाला इमाम हुसैन अली शेख(35)अपने दोस्त के साथ एम एच 04एफ एल 6819 द्वारा दो अक्टूबर की रात 11 बजे चविंद्रा रोड से स्थानीय नवीबस्ती इलाके में जा रहा था।जैसे बाइक द्वारा उक्त दोनों रात में 11.45 बजे अब्दुल कलाम फ्लाई ओवर ब्रिज पर चौक के ऊपर पहुंचे, तेजगति से आ रही ट्रक ने उन्हें सामने से जोरदार टक्कर मार दिया।जिसके कारण गंभीर रूप से चोट लगने के कारण बाइक चालक अमीर इसाक सय्यद(26) की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।जबकि बाइक पर बैठा इमाम जख्मी हो गया।इस घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया।जिस पर पुलिस ने दुर्घटना के जिम्मेदारी का केस दर्ज किया है।इस घटना से 12 घंटे के बाद मंगलवार की सुबह चविंद्रा रोड पर स्थित अजवा स्वीट के सामने सीएनजी गैस सिलेंडर लेकर जा रही जी जे 08 ए यू 7165 नंबर की ट्रक ने साइन बाइक क्रमांक एम एच 04 जे ई 4811 को टक्कर मार दी।जिसके कारण चालक की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई ।हालांकि अभी तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सका है।जिसकी उम्र 55 वर्ष के ऊपर है।इससे पहले इसी रोड पर 1 अक्टूबर को शाम चार बजे पोगांव के पास तीन बाइको की आपस में टक्कर के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।जबकि तीन अन्य घायल हो गए थे।यानी 40 घंटे में इस सड़क पर तीन हादसे में तीन लोगों की जान चली गई।स्थानीय लोगों ने उक्त रोड पर बढ़ती दुर्घटना का जिम्मेदार मनपा प्रशासन पर लगाया है। लोगों का कहना है कि सड़क पर हुए अनगिनत गढ्ढों की मनपा प्रशासन द्वारा मरम्मत न किए जाने व सकरी रोड होने के कारण दुर्घटनाएं हो रही है।लेकिन मनपा अथवा पुलिस महकमा हादसे को रोकने को लेकर उदासीन बनी बैठी है।जिसके कारण आने वाले समय में और दुर्घटना होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

ड्रग मामले के आरोपी के पुणे अस्पताल से भागने के बाद 9 पुलिसकर्मी निलंबित

पुणे : अधिकारियों ने कहा कि महाराष्ट्र के पुणे शहर में एक सरकारी अस्पताल से ड्रग मामले के आरोपी के भागने के बाद नौ पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि ललित पाटिल, जो लगभग एक साल तक जेल में था, अस्पताल में रहने के दौरान उसके पास मोबाइल फोन का उपयोग पाया गया।

इलाज के दौरान भी वह कथित तौर पर ड्रग्स की तस्करी कर रहा था और तीन दिन पहले ही एक नए मामले में उसका नाम आया था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए 10 टीमें गठित की हैं। यहां पास की यरवदा जेल में बंद पाटिल का पिछले तीन महीने से शहर के ससून जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा था। सोमवार शाम को एक्स-रे इमेजिंग के लिए ले जाते समय वह भाग निकला। एक अधिकारी ने कहा, पांच पुलिसकर्मियों को सतर्कता में चूक के लिए निलंबित कर दिया गया, जबकि चार अन्य को निलंबित कर दिया गया क्योंकि आरोपी को अस्पताल के वार्ड में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पाया गया था। 30 सितंबर को, पुणे पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल ने ससून अस्पताल के बाहर 2 करोड़ रुपये मूल्य के दो किलोग्राम मेफेड्रोन के साथ एक सुभाष मंडल को पकड़ा था। उसने पुलिस को बताया कि उसे अस्पताल की कैंटीन के एक कर्मचारी रऊफ शेख के माध्यम से पाटिल से दवाएं मिलीं। मंडल, शेख और पाटिल पर बंडगार्डन पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अभिनेत्री गायत्री जोशी और उनके पति हुए कार दुर्घटना के शिकार

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेत्री गायत्री जोशी, जो शाहरुख खान के साथ फिल्म ''स्वदेस'' में अपनी भूमिका के लिए जानी जाती हैं, अपने पति विकास ओबेरॉय के साथ इटली में यात्रा करते समय एक दुखद दुर्घटना में शामिल हो गईं। गायत्री की कार अन्य वाहनों और कैंपर वैन से टकरा गई. रिपोर्टों के अनुसार, टक्कर तब हुई जब लेम्बोर्गिनी और फेरारी सहित कई उच्च प्रदर्शन वाले वाहनों ने एक साथ कैंपर वैन को ओवरटेक करने का प्रयास किया, जिससे वह सार्डिनिया में एक ग्रामीण सड़क पर पलट गई।

दुर्भाग्य से, फेरारी में आग लग गई, जिसके परिणामस्वरूप अंदर बैठे दंपति की जान चली गई, जिनकी पहचान स्विट्जरलैंड की 63 वर्षीय मेलिसा क्रौटली और 67 वर्षीय मार्कस क्रौटली के रूप में हुई। गायत्री ने द फ्री प्रेस जर्नल को बताया, ''विकास और मैं इटली में हैं। हम यहां एक दुर्घटना (कई कारों की टक्कर) का शिकार हो गए। भगवान की कृपा से, हम दोनों बिल्कुल ठीक हैं।'' इस दुखद दुर्घटना के कई दृश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामने आए हैं।

कथित तौर पर, दुर्घटना सार्डिनिया सुपरकार टूर के दौरान हुई, एक कार्यक्रम जहां लक्जरी कारें अपने उच्च-स्तरीय वाहनों का प्रदर्शन करते हुए टेउलाडा से ओलबिया तक परेड करती हैं। गायत्री जोशी ने 2004 में समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म 'स्वदेस' से बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की। उन्होंने शाहरुख के साथ मुख्य भूमिका निभाई। हालाँकि, 'स्वदेस' के बाद, गायत्री ने अभिनय से दूर होकर अपने निजी जीवन पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। उन्होंने ओबेरॉय कंस्ट्रक्शन के प्रबंध निदेशक विकास ओबेरॉय से शादी की, जो भारत की एक प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी है। तब से, वह काफी हद तक लोगों की नजरों से दूर रहीं और किसी भी फिल्म में नजर नहीं आईं।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : गुरुवार 05 अक्टूबर 2023

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में ड्यूटी पर तैनात चार पुलिसकर्मियों ने 28 वर्षीय एक प्रैक्टिसिंग वकील की कथित तौर पर पिटाई कर दी

मुंबईः रविवार को बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में ड्यूटी पर तैनात चार पुलिसकर्मियों ने 28 वर्षीय एक प्रैक्टिसिंग वकील की कथित तौर पर पिटाई कर दी। वकील आबिद अब्बास सैय्यद अपने दोपहिया वाहन पर थे, जबकि उनके दोस्त फैयाज शेख पीछे बैठे थे। उन्होंने बीकेसी सिग्नल पार किया जहां बीकेसी पुलिस स्टेशन से जुड़ी पुलिस नाका बंदी में ड्यूटी पर थी। रविवार को लगभग 12.30 बजे, पुलिस अधिकारियों ने सैय्यद को रोका और उसका नाम, पहचान पत्र, ड्राइवर का लाइसेंस और वाहन के दस्तावेज मांगे। सैय्यद ने फ्री प्रेस जर्नल को बताया कि उनके दस्तावेज उनके चार पहिया वाहन में थे, लेकिन उनके मोबाइल फोन एप्लिकेशन के डिजिलॉकर में उनकी सॉफ्ट कॉपी थी। सैय्यद ने कहा कि उन्होंने विनम्रतापूर्वक पुलिसकर्मियों से तब तक इंतजार करने को कहा जब तक वह अपने फोन पर दस्तावेज लोड नहीं कर लेते और उन्हें उन्हें नहीं दिखा देते।

''वे आक्रामक हो गए और मेरे धर्म के नाम पर मुझे गाली देने लगे। मौखिक दुर्व्यवहार तीव्र होता जा रहा था, जिसके बाद उन्होंने मुझे धक्का देकर गिरा दिया और मेरे प्रति हिंसक और आक्रामक हो गए। अधिकारी एक हेड कांस्टेबल था, और मैं उसके बैज पर पुजारी लिखा हुआ देख सकता था, उसने मुझे थप्पड़ मारा और गाली देना शुरू कर दिया, जिसमें दो और अधिकारी भी शामिल हो गए, जिन्होंने मुझ पर फाइबर-डंडों, घूंसों और लातों से हमला किया, ''उन्होंने कहा। सैय्यद ने आगे कहा कि पुलिस वैन के पास खड़े कांस्टेबलों ने टिप्पणी करते हुए कहा कि उसे मार दिया जाना चाहिए और उसके शव

को पास की मीठी नदी में फेंक दिया जा सकता है। ''वे होश में नहीं थे, वे नशे में थे। वह दिख रहा था, मैं उसकी गंध महसूस कर सकता था। यह भयानक था, मेरा लगभग गला घोंट दिया गया था,'' सैय्यद ने कहा, उन्होंने कहा कि यह घटना लिंचिंग से कम नहीं थी क्योंकि पुलिसकर्मियों ने उन्हें ''आतंकवादी'' बताया था। उन्होंने कहा, ''यह धार्मिक अत्याचार का एक स्पष्ट उदाहरण है, यह सुनना बेहद दुखदायी था कि उन्होंने मुझे 'देश द्रोही' कहा, यह शब्द मेरे समुदाय के खिलाफ था।''

सैय्यद ने यह भी कहा कि उन्होंने उन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 353 के तहत आरोप लगाने की धमकी दी, जिसमें कहा गया हैः 'जो कोई भी ड्यूटी पर मौजूद लोक सेवकों पर हमला करता है या उन्हें अपना काम करने से रोकता है, उसे दो साल तक की जेल, जुमार्ना या दोनों की सजा हो सकती है।' .''एक वकील के रूप में इस तरह के अत्याचार से गुजरना मेरे लिए चौंकाने वाला था। मैं एक प्रैक्टिसिंग वकील हूं; पुलिस सर्कल में मेरे अच्छे दोस्त हैं जिनके साथ मैं काम करता हूं और खाता हूं, और अब मुझे ऐसी घटना का सामना करना पड़ा। इसके बाद मेरी चेतना में यह बात घर कर गई कि चाहे वे कितने भी मित्रतापूर्ण क्यों न हों, उनके मन में कहीं न कहीं मुख्यधारा की सांप्रदायिक मान्यताएँ हैं। हमारे ही देश में, यह दुखद है कि हमें अपनी वफादारी साबित करनी पड़ रही है।''

सैय्यद ने जोन 8 के पुलिस उपायुक्त, पुलिस आयुक्त, मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट, बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र और गोवा के अध्यक्ष/सचिव और कुर्ला कोर्ट बार एसोसिएशन के वर्तमान/सचिव को शिकायत लिखी है। ''हमारे देश में अधिवक्ताओं पर अत्याचार और हिंसा बढ़ रही है। हमें ऐसे सभी साथी अधिवक्ताओं की सुरक्षा और उचित न्याय प्रशासन तथा भलाई के लिए पूरे भारत में अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम विधेयक को लागू करने की आवश्यकता है, जो ऐसी स्थिति का सामना कर चुके हैं और हो सकते हैं,'' सैय्यद ने निष्कर्ष निकाला जो पहली सूचना दर्ज करने के संबंध में मुंबई आयुक्त से मिलेंगे। उसके साथ मारपीट करने वाले तीन सिपाहियों और एक सब-इंस्पेक्टर के खिलाफ रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने और उन्हें निलंबित करने और गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने एफपीजे को बताया कि मामले की जांच डिवीजन एसीपी (खेरवाड़ी) द्वारा की जा रही है। अधिकारी ने कहा, ''हमारे अधिकारी इसकी गहन जांच करेंगे और अगर कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।''

नागपुर में पुलिस ने एक रिसॉर्ट में चल रहे 'न्यूड डांस' का भंडाफोड़ किया...

नागपुरः नागपुर में पुलिस ने एक रिसॉर्ट में चल रहे 'न्यूड डांस' का भंडाफोड़ किया. पुलिस ने 13 डांसर, मालिक, मैनेजर समेत 37 लोगों को हिरासत में लिया. नागपुर के एक रिसॉर्ट में एक कीटनाशक कंपनी ने न्यूड पार्टी का आयोजन किया था. इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस जांच जारी है. आइए आपको बताते हैं क्या है पूरा मामला. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र के नागपुर में एक कीटनाशक कंपनी ने ग्राहकों के मनोरंजन के लिए एक रिसॉर्ट में पार्टी का आयोजन किया। रविवार देर रात पुलिस को नागपुर के कुही थाना क्षेत्र के पचगांव स्थित सिल्वर लेक फार्म रिसॉर्ट में न्यूड पार्टी की सूचना मिली. स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने रिसॉर्ट पर छापा मारा. पुलिस के पहुंचते ही पार्टी में भगदड़ मच गई. पुलिस ने बताया कि मौके से 13 डांसर समेत 37 लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

पुलिस ने कहा कि कीटनाशकों का कारोबार करने वाली एक कंपनी ने 75,000 रुपये से अधिक की खरीदारी करने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए इसका आयोजन किया था। इसके साथ ही पुलिस ने बताया कि रिसॉर्ट के मालिक राजबापू मुथैया, मैनेजर विपिन यशवंत को गिरफ्तार कर लिया गया है. इसके अलावा डांसर सप्लायर एक अणे निवासी भूपेन्द्र उर्फ मोंटी सुरेश समेत कुल 37 लोगों को हिरासत में लिया गया है. नागपुर ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक हर्ष पोद्दार ने कहा कि पुलिस को रिसॉर्ट में कम कपड़े पहने लड़कियों के नाचने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने छापेमारी कर वहां मौजूद लोगों को हिरासत में ले लिया. पुलिस अधीक्षक हर्ष पोद्दार ने बताया कि पुलिस ने रिसॉर्ट से 49 लाख रुपये नकद, विदेशी शराब का जखीरा, स्पीकर, पांच कारें और 49 लाख रुपये की सामग्री जब्त की है. पुलिस ने कहा कि हिरासत में लिए गए सभी लोग वर्धा और अमरावती में कृषि सेवा केंद्र के निदेशक हैं। एक कीटनाशक कंपनी ने क्रय केंद्र संचालक के लिए 75 हजार में यह पार्टी आयोजित की थी.

शिवसेना सांसद हेमंत पाटिल पर FIR, अस्पताल के डीन से शौचालय साफ कराने के मामले में बढ़ीं मुश्किलें

मुंबई : शिवसेना सांसद हेमंत पाटिल मुश्किलों में घिर गए हैं। उनके खिलाफ महाराष्ट्र में नांदेड़ ग्रामीण पुलिस ने बुधवार को प्राथमिकी दर्ज की है। उनपर आरोप है कि उन्होंने डॉ. शंकरराव चव्हाण सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के कार्यवाहक डीन डॉ. श्यामराव वाकोडे से जबरन शौचालय साफ कराया। पुलिस पाटिल से पूछताछ करने के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पाटिल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कई धाराओं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम और महाराष्ट्र मेडिकेयर सर्विस पर्सन्स एंड मेडिकेयर सर्विस इंस्टीट्यूशंस (हिंसा और संपत्ति के नुकसान या नुकसान की रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है, नांदेड़ का सरकारी अस्पताल आजकल काफी चचाओं में बना हुआ है। हाल ही में यहां 31 लोगों के मरने की खबर सामने आई थी। दरअसल, शिवसेना सांसद द्वारा डॉक्टर वाकोडे से सफाई कराने का मामला तब सामने आया, जब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में कथित तौर पर हेमंत पाटिल को डीन पर चिल्लाते देखा जा सकता है। उन्होंने गुस्से में डीन को शौचालय साफ करने का निर्देश दिया। उन्होंने डीन से कहा कि आपके पास शौचालय में एक मग भी नहीं हैं और आप उन लोगों पर चिल्लाते हैं जो शौचालय का उपयोग नहीं करते हैं। क्या आप डॉक्टर और डीन अपने घर पर इसी तरह का व्यवहार करते हैं?

मुंबई सेंट्रल स्टेशन यार्ड में प्रवेश करते समय रेक पटरी से उतरने के बाद लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित

मुंबईः मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर बुधवार को यार्ड में प्रवेश करते समय लोकल ट्रेन का एक खाली रेक पटरी से उतर गया. इसके परिणामस्वरूप पश्चिम रेलवे की लोकल ट्रेन सेवाओं में देरी हुई है। पश्चिम रेलवे के सीआरपीओ सुमित ठाकुर ने कहा, घटना से डाउन स्लो लाइन प्रभावित हुई और कहा जाता है कि घटना के 30-40 मिनट के भीतर इसे ठीक कर लिया जाएगा। लगभग 11.30 बजे जब लोकल ट्रेन एक कार शेड में प्रवेश कर रही थी तो एक क्रॉसिंग पॉइंट पर उसका एक पहिया पटरी से उतर गया। किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है. कुछ यात्रियों के अनुसार, घटना के कारण धीमी लाइन पर ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ, क्योंकि चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच ट्रेनों की बंचिंग हो गई थी। फास्ट लाइन पर ट्रेनें चल रही थीं। एक सप्ताह से भी कम समय में मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में ट्रेन के पटरी से उतरने की यह दूसरी घटना है। शनिवार दोपहर मुंबई से सटे रायगढ़ जिले में एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, जिससे पनवेल-वसई मार्ग पर परिचालन बाधित हो गया। अधिकारियों ने पहले कहा था कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

मालेगांव ब्लास्ट मामले में सात आरोपियों के खिलाफ एनआईए की विशेष अदालत में सुनवाई शुरू

मालेगांव ब्लास्ट मामले में सात आरोपियों के खिलाफ एनआईए की विशेष अदालत में सुनवाई शुरू हो गई है. जब कोर्ट ने ब्लास्ट में घायलों और मृतकों के बारे में जानकारी ली तो मुख्य आरोपी बीजेपी सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर भावुक हो गईं. इसलिए दस मिनट तक काम रुका रहा। कोर्ट ने पीड़ितों के गवाहों से जुड़े 60 सवालों पर प्रज्ञा सिंह ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत 7 आरोपियों के जवाब दर्ज किए. इन सभी सवालों का जवाब साध्वी ठाकुर ने सिर्फ तीन शब्दों में दिया, ''मुझे अधूरा नहीं.'' ये जवाब एनआईए की विशेष सत्र अदालत में रोजाना दर्ज किए जाएंगे. 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में भिक्खु चौक विस्फोट मामले की सुनवाई मुंबई में एनआईए विशेष सत्र न्यायालय में चल रही है। गवाही के आधार पर, अदालत ने आरोपियों को दो समूहों में विभाजित किया और सीआरपीसी की धारा 313 के तहत उनके बयान दर्ज किए। इस मामले में 323 गवाह हैं. उनमें से 34 पलट दिए गए हैं। बाकी 289 गवाहों के बयानों के आधार पर कोर्ट ने करीब चार से पांच हजार सवालों का एक सेट तैयार किया है. सीआरपीसी की धारा 313 के मुताबिक आरोपियों को अदालत के सामने अपनी बात रखने का मौका मिलता है. उन उत्तरों की शुरूआत हो चुकी है. उसके बाद मामले की अगली सुनवाई होगी.

एलएंडटी आर्म को -3816 करोड़ का दहिसर-भयंदर प्रोजेक्ट मिला

मुंबईः एलएंडटी ने मंगलवार को कहा कि उसके परिवहन बुनियादी ढांचे के कारोबार को दहिसर-भयंदर पुल के निर्माण के लिए ''बड़ा'' अनुबंध मिला है। 4.5 किमी लंबा पुल दहिसर और भयंदर के बीच यात्रा के समय को काफी कम कर देगा, जिसमें वर्तमान में 45 मिनट से अधिक समय लगता है। हालाँकि कंपनी ने अनुबंध का सटीक मूल्य निर्दिष्ट नहीं किया है, एक ''बड़ा'' अनुबंध 2,500 करोड़ रुपये से 5,000 करोड़ रुपये के बीच होता है।

पुल को लंबे समय तक देरी का सामना करना पड़ा है। जुलाई के मध्य में, एक ठेकेदार को नियुक्त करने के लिए बोली प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में थी। इस प्रमुख बुनियादी ढांचा

परियोजना के लिए निविदाएं पिछले साल जारी की गई थीं और लगभग 3,186 करोड़ रुपये की अनुमानित कीमत के साथ एक डिजाइन और निर्मित अनुबंध की परिकल्पना की गई थी। अधिकारियों ने मैंग्रोव पैच, नमक पैन और खाड़ियों से गुजरने के लिए इसके अभिनव डिजाइन पर विशेषज्ञों से तकनीकी इनपुट के लिए कई समय सीमा को उचित ठहराया। जुलाई में अधिकारियों ने कहा था कि इस लिंक रोड का वर्क ऑर्डर अगस्त में जारी कर दिया जाएगा। मैदान में तीन निर्माण कंपनियां थीं।

कनेक्टिविटी को आसान बनाने के लिए प्रस्तावित एक महत्वपूर्ण लिंक, यह पुल दहिसर टोल प्लाजा पर देखी जाने वाली भारी यातायात भीड़ को कम करने का एक विकल्प भी प्रदान करेगा, जहां उत्तर की ओर जाने वाले वाहन पश्चिमी एक्सप्रेस राजमार्ग के माध्यम से वसई, विरार, पालघर और गुजरात की ओर बढ़ते हैं, जो आगे बढ़ता है। राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-**48**)। पुल कंदरपाड़ा मेट्रो स्टेशन के पास (डिजाइन बोर्ड पर) शुरू होता है और भयंदर पश्चिम में उत्तन रोड पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस नगरपालिका मैदान तक जाता है। प्रस्तावित पुल की लंबाई में से लगभग 1.5 किमी बीएमसी के अधिकार क्षेत्र में और बाकी मीरा-भयंदर नगर निगम के अंतर्गत आएगा। यह 45 मीटर चौड़ा होगा और स्टिल्ट पर बनाया जाएगा। यह परियोजना मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की सहायता से बीएमसी द्वारा कार्यान्वित की जा रही है।

रश्मि शुक्ला को महाराष्ट्र का पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया ,प्रदेश को मिली पहली महिला डीजीपी

ठाणेः रश्मि शुक्ला को महाराष्ट्र का पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। जबकि वर्तमान राज्य पुलिस महानिदेशक रजनीश सेठ को एमपीएससी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र की पहली महिला पुलिस महानिदेशक बन गई हैं। इस बीच रजनीश सेठ ने वीआरएस लेकर नई जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है. सेठ दिसंबर में रिटायर होने वाले थे. इससे पहले, उन्हें एमपीएससी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। रश्मि शुक्ला को महाराष्ट्र पुलिस का महानिदेशक नियुक्त किया गया।

राज्य में बीजेपी नेता देवेन्द्र फड़णवीस के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान रश्मि शुक्ला राज्य के खुफिया विभाग की कमिश्नर थीं. उस समय उन पर अवैध रूप से राजनीतिक नेताओं के फोन टैप करने और देवेंद्र फड़नवीस को जानकारी उपलब्ध कराने का आरोप लगाया गया था। इस मामले में माविया सरकार के दौरान शुक्ला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था. इस बीच, रश्मि शुक्ला ने इस मामले में कोर्ट में अपनी भूमिका रखी थी. रश्मि शुक्ला ने कोर्ट से कहा था कि राजनीतिक मंशा के चलते उनका नाम इस केस में फंसाया गया है.

नागपुर मेयो अस्पताल में 24 घंटे में 25 लोगों की मौत का ताजा मामला...

नागपुरः बुधवार को यहां सरकार द्वारा संचालित मेयो अस्पताल में विभिन्न कारणों से केवल 24 घंटों में कम से कम 25 मरीजों की जान चली गई, जिससे राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली की भलाई पर नए सवाल खड़े हो गए हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने आज सुबह एक एक्स पोस्ट में नई मौतों पर प्रकाश डाला और कहा, ''डर यहीं खत्म नहीं होता है'' और ''स्वास्थ्य प्रणाली ध्वस्त हो गई है और सरकार सो रही है''। ''ठाणे, नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर (घटनाओं) के बाद, अब नागपुर में भी 25 मरीजों की मौत हो गई। सीएम, डिप्टी सीएम के पास नई दिल्ली जाने का समय है, लेकिन इन अस्पतालों का दौरा करने का समय नहीं है,'' सुले ने कहा।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन नेताओं के लिए महाराष्ट्र के लोगों की जान की कोई कीमत नहीं है और चिकित्सा आपूर्ति की कमी है. संयोग से, नागपुर राज्य की दूसरी राजधानी है और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के अलावा अन्य प्रमुख विपक्षी नेताओं का गृह नगर है। अधिकारियों के अनुसार, इस बीच, डॉ. शंकरराव चव्हाण सरकारी मेडिकल कॉलेज

और अस्पताल (नांदेड़) में मरने वालों की संख्या बढ़कर 35 हो गई, जबकि घाटी अस्पताल (छत्रपति संभाजीनगर) में मरने वालों की संख्या 10 से बढ़कर 18 हो गई।

कांग्रेस के नेता विपक्ष (विधानसभा) विजय वडेट्टीवार आज दो अस्पतालों का दौरा कर रहे हैं, जबकि शिवसेना (यूबीटी) के नेता विपक्ष (परिषद) अंबादास दानवे ने आज सुबह नांदेड़ अस्पताल का दौरा किया। दानवे ने कहा कि मरीजों ने उन्हें अस्पताल की विभिन्न समस्याओं के बारे में बताया और बताया कि कैसे सिजेरियन सेक्शन ऑपरेशन में देरी के कारण एक गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मृत्यु हो गई।

मौतों में नवीनतम वृद्धि के साथ, तीन दिनों में, तीन जिलों के तीन सरकारी अस्पतालों में, दवाओं, उपकरणों, चिकित्सा या पैरामेडिकल स्टाफ की कथित कमी सहित विभिन्न खामियों के कारण लगभग 30 शिशुओं सहित कम से कम 78 लोगों की मौत हो गई है। मंगलवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मीडिया को बताया कि नांदेड़ अस्पताल हादसे की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और इसकी रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी.

बीएमसी ने दीपक केसरकर को कार्यालय आवंटित किया

मुंबईः पालक मंत्री (उपनगर) मंगल प्रभात लोढ़ा के बाद, अब पालक मंत्री (शहर) दीपक केसरकर को बीएमसी मुख्यालय में एक केबिन आवंटित किया गया है। वह प्रत्येक बुधवार को दोपहर एक से चार बजे के बीच नागरिकों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनेंगे।

बीएमसी चुनाव में देरी

अब तक, निर्वाचित नगरसेवकों का कार्यकाल, जो 7 मार्च, 2022 को समाप्त हो रहा है, नगर निगम के चुनाव नहीं हुए हैं, जिससे बीएमसी बिना मौजूदा नगरसेवकों के रह गई है। वर्तमान प्रशासन की देखरेख इकबाल सिंह चहल द्वारा की जाती है, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया है। दिसंबर 2022 में बीएमसी के भीतर राजनीतिक परिदृश्य में अशांति देखी गई, जिसके कारण शिवसेना के भीतर आंतरिक गुटों के कारण शिवसेना, कांग्रेस, भाजपा, एनसीपी और समाजवादी पार्टी से संबंधित पार्टी कार्यालयों को सील कर दिया गया।

इससे पहले, बीएमसी प्रशासक ने जुलाई में मंगल प्रभात लोढ़ा को पुरानी इमारत की पहली मंजिल पर एक कार्यालय आवंटित किया था। विपक्ष की आलोचना का सामना करने के बावजूद, लोढ़ा के कार्यालय ने पूर्व भाजपा नगरसेवकों को बीएमसी मुख्यालय आने वाले नागरिकों के साथ जुड़ने और उनके मुद्दों को हल करने के लिए सक्रिय रूप से काम करने के लिए जगह प्रदान की। इस पहल ने भाजपा को पिछले तीन महीनों में कई नागरिक चिंताओं को संबोधित करने में सक्षम बनाया।

इस मॉडल के बाद, दीपक केसरकर को बीएमसी की पुरानी इमारत की पहली मंजिल पर लोढ़ा के केबिन के बगल में एक कार्यालय सौंपा गया है। केसरकर को सप्ताह में एक बार कार्यालय का दौरा करना है, जबकि शेष दिनों के लिए शिवसेना के शिंदे गुट के पूर्व नगरसेवक कार्यालय का प्रबंधन करेंगे। इसके अतिरिक्त, कांग्रेस ने हाल ही में आजाद मैदान के पास राजीव गांधी भवन में स्थित मुंबई क्षेत्र कांग्रेस कमेटी कार्यालय में अपने पूर्व नगरसेवकों के लिए एक कार्यालय स्थापित किया है।

ठाणे जिले में डेंगू के ३६६ और मलेरिया के ३०६ मरीज

ठाणे : पिछले दो से तीन महीने में ठाणे जिले में डेंगू और मलेरिया के मरीजों की संख्या में बेहद तेजी से वृद्धि हुई है। सितंबर महीने में ठाणे जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों में मलेरिया के ३०६ और डेंगू के ३६६ मरीज मिले हैं। आंकड़ों से साफ होता है कि ठाणे जिला स्वास्थ्य विभाग की असफलता की वजह से ही ह्यडेंगू-मलेरिया का बुखारह्ण ठाणे जिले पर सवार हो रहा है।

बता दें कि ठाणे जिले के सरकारी और निजी अस्पतालों में डेंगू और मलेरिया के मरीजों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। ठाणे जिले में सितंबर माह में ८७,९९० संदिग्ध मलेरिया मरीजों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे, इनमें से ३०६ मरीज मलेरिया से ग्रसित पाए गए। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है। वहीं दूसरी ओर कुल ७४७ डेंगू के संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे, जिनमें से कुल ३६६ मरीजों को मलेरिया ग्रसित पाया गया जबकि ३ मरीजों की मौत हो गई है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com